मेरे विच ना गुरु जी गुण कोई

मेरे विच ना गुरु जी गुण कोई
औगना दी मैं भरी आ

हम मैले तुम उज्वल करते,
सरब कला के ज्ञाता,
औगना दी मैं भरी आ..

मैं डूबदी नु पार लगाओ,
ओ तेरे चरणा च आन खलोती,
औगना दी मैं भरी आ

हम पापी तुम पाप खंडन,
सदा सदा मेहरबाना,
औगना दी मैं भरी आ

मैं पापन दी झोली भरदो,
ओ तेरे दर उते अरजा गुजरा,
औगना दी मैं भरी आ

भूले को गुरु मार्ग पाया,
अवर त्याग हर हर भक्ति लाया,
मैं सदा सदा बलिहारी,
औगना दी मैं भरी आ

ना सोनी ना दोलत पल्ले,
किवे मैं गुरा नु मनावा,
औगना दी मैं भरी आ..

अम्बला वालियां सब नंग गईया,
मैं रह गई ओगन भारी,
औगना दी मैं भरी आ.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4070/title/mere-vich-naa-guru-ji-gun-koi-ogana-di-main-bhari-aa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |